

स्वच्छता ही सेवा के तहत मनाया जा रहा स्वच्छता पखवारा, 26 से 02 अक्टूबर तक 156 घंटे चलेगा महा सफाई अभियान-ईओ नगर पालिका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली राकेश सचान जी की



रायबरेली। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद रायबरेली स्वर्ण सिंह ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार प्रदेश के समस्त निकायों में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता ही सेवा/स्वच्छता पखवारा मनाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् रायबरेली द्वारा 16 सितम्बर में स्वच्छता का शपथ, 17 सितम्बर में मा0 प्रभारी मंत्री

उपस्थिति में स्वच्छता हेतु श्रमदान कार्यक्रम का शुभारम्भ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क सुपर मार्केट रायबरेली से किया गया एवं वाई के मा0 सभासदगणों के साथ बृहद स्तर पर स्वच्छता श्रमदान घंटाघर चौराहे से प्रारम्भ कर कैपरागंज होते हुये शहीद लाल चन्द्र स्वर्णकार चौक तक किया गया। इस दौरान शहीदों की प्रतिमा की धुलाई कर माल्यार्पण का कार्य भी किया



बकायेदारों की भूमि की नीलामी 06 अक्टूबर को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली

गया।ईओ नगर पालिका ने बताया कि इसी तरह सई नदी राजघाट पर प्लग रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया साथ ही शहर के विभिन्न स्थलों पर स्वच्छता का शपथ कराते हुये स्वच्छता लक्षित इकाई (सीटीयू) विलोपन का कार्य कराया गया तथा मंदिरों की सफाई, पार्कों की सफाई, सार्वजनिक स्थलों की सफाई व सीटीयू विलोपन का कार्य लगातार कराया गया। उन्होंने बताया कि अगले कार्य दिवसों में 23 से 26 सितम्बर 2025 तक सफाई मित्र स्वच्छता शिविर का आयोजन, रंगोली कार्यक्रम का आयोजन एवं 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक 156 घण्टे का महा सफाई अभियान चलाया जाना है जो 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर बृहद स्तर पर चलाते हुये स्वच्छता अभियान का समापन किया जायेगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना विधिवत सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में



नवरात्रि के तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना विधिवत सम्पन्न की गई। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ पूजा

जिसमें राष्ट्रीय स्तर की सितार वादक एवं गायिका श्रद्धा मिश्रा ने छात्र-छात्राओं से संवाद किया। कार्यक्रम में श्रद्धा मिश्रा ने अपने जीवन के

अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को कला और शिक्षा के समन्वय पर प्रेरणादायी विचार दिए। उन्होंने बताया कि मेहनत, लगन और अनुशासन से कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं होता। विद्यार्थियों ने उनसे संगीत एवं करियर से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर उन्होंने सहज और प्रेरक ढंग से दिया। संस्थान के प्राचार्य ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का नए विचार और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। पूजा एवं टॉक शो के साथ कार्यक्रम का समापन माँ चंद्रघंटा के जयकारों से हुआ।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत पोषण किट वितरण का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत जेसीआई एल्युमिनी क्लब



रायबरेली द्वारा 'करुणा कार्यक्रम' पोषण किट वितरण का सफल आयोजन बेला भेला उत्तरपारा, रायबरेली में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टी.बी. मरीजों को उचित पोषण एवं संबल प्रदान करना है। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चन्द्र ने स्वयं मरीजों को पोषण किट वितरित की साथ ही निरुक्षय मित्रों को सम्मानित किया गया, इस सराहनीय पहल के लिए जेसीआई एल्युमिनी क्लब का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर 37 टी.बी. मरीजों को पोषण किट वितरित की गई। प्रोग्राम ऑफिसर जेसी अनुराग मिश्रा ने सभी अतिथियों,

सदस्यों एवं मरीजों का आभार व्यक्त किया। अध्यक्ष जेसी सुशील कुमार सिंह ने कहा कि 'मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा

है। करुणा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह ऐसी भावना है जो हमें दूसरों के दर्द को समझने और उन्हें कम करने की प्रेरणा देती है।' उन्होंने बताया कि क्लब केवल सेवा कार्यक्रम ही नहीं करता, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु लगातार कार्यरत है। संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, रक्तदान, सिविल सेवा तथा आगामी 'बॉडी एवं ऑर्गन डोनेशन जागरूकता अभियान' जैसे प्रयास निरंतर जारी हैं। 'करुणा कार्यक्रम' के माध्यम से जेसीआई एल्युमिनी क्लब ने यह संदेश दिया कि समाज की सेवा ही संगठन का

वास्तविक ध्येय है। कार्यक्रम का संचालन अलंकार शर्मा जी एवं जेसी सर्वेश श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर इस अवसर पर डॉ. राकेश यादव, डॉ. शम्स रिजवान, डॉ. अरुण, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डी.एस. अस्थाना, जिला पब्लिक प्राइवेट समन्वय मनीष श्रीवास्तव, एसटीएस अलंकार शर्मा, के के श्रीवास्तव, एसटीएस अखिलेश त्रिवेदी दीपू पटेल, एवं मेडिकल स्टाफ एवं मरीज के साथ ही क्लब की ओर से जेसी राजेश शर्मा, जेसी रावेश चांदनी, जेसी अभिषेक गोयल, जेसी सर्वेश श्रीवास्तव, जेसी संजय श्रीवास्तव, जेसी अनुराग मिश्रा (प्रोग्राम ऑफिसर), जेसी गौरव जैन (सचिव) एवं जेसी सुशील कुमार सिंह (अध्यक्ष) सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रवर्तन अभियान जारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

टीम ने थाना भदोखर अंतर्गत ग्राम भेड़न का पुरवा, नक फुल्हा में

बरामद किया गया। लहन को मौके पर नष्ट करते हुए कुल 04



माथुर के आदेशानुसार एवं आबकारी आयुक्त महोदय द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिले में व्यापक कार्यवाही की गई। जिला आबकारी अधिकारी के पर्यवेक्षण में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 की

अवैध कच्ची शराब बनाने वाले अड्डों व संदिग्ध घरों पर दबिश दी। इसी क्रम में क्षेत्र-5 की टीम ने तहसील डलमऊ के थाना गदागंज क्षेत्र के ग्राम पम्पापुर में दबिश देकर कार्यवाही की। दबिश के दौरान कुल 54 लीटर अवैध कच्ची शराब तथा लगभग 450 किलो महुआ से निर्मित लहन

अभियोग आबकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत पंजीकृत किए गए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण व बिक्री को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे अराजक तत्वों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

कृषक समृद्धि आयोग सदस्य कुलजीत सिंह ने जिले का किया दौरा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मा0 सदस्य कृषक समृद्धि आयोग कुलजीत सिंह ने जिले का दौरा किया। पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में कृषि, पशुपालन, भूमि संरक्षण व उद्यान विभाग आदि

किया, किसानों से वार्ता की, उनके सुझाव लिए और निर्देश दिया कि किसानों को मानक के अनुसार ही खाद का वितरण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को हर हाल में समय पर खाद उपलब्ध

परखी। गो आश्रय स्थल कान्हा उपवन लालगंज का किया निरीक्षण- कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह ने गोवंश आश्रय स्थल कान्हा उपवन चांदा लालगंज का स्थलीय निरीक्षण



के क्रम में उन्होंने सबसे पहले सुल्तानपुर रोड स्थित दाऊद नगर में आरएसटीआई सेंटर का निरीक्षण किया। केंद्र में संचालित कक्षाओं का अवलोकन कर कृषि स्वावलंबन योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे कृषि स्नातकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र दिया। आयोग सदस्य ने राजकीय बीज भंडार केंद्र लालगंज का निरीक्षण भी किया। यहां पर उन्होंने की किसानों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और उनके निस्तारण का निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर उनके द्वारा दो किसानों को तोरिया मिनीकिट का पैकेट वितरित किया गया। इसके उपरान्त उन्होंने साधन सहकारी समिति सतांव का निरीक्षण किया। यहां पर उन्होंने खाद की उपलब्धता और मांग के अनुपात में वितरण के तहत अभिलेखों का परीक्षण

अधिक मूल्य लिया जा रहा है तो उस पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए।लालगंज के सामुदायिक केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लिया हिस्सा, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी,कृषक समृद्धि आयोग के सदस्य कुलजीत सिंह ने लालगंज के सामुदायिक केंद्र में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। यहां पर उपस्थित लोगों से संवाद स्थापित करते हुए फीडबैक भी लिया। कहा कि सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ग के लिए कई प्रकार की स्वास्थ्य सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी और कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत सी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर सुविधाओं की गुणवत्ता भी

स्टॉक, पशुओं की टैगिंग,चिकित्सा व प्रकाश की व्यवस्था देखी। निरीक्षण के समय गौशाला में कुल 265 गोवंश थे तथा भूसा भण्डार गृह में पर्याप्त मात्रा में चोकर व पशु आहार उपलब्ध पाया गया। उन्होंने गौशाला परिसर में साफ-सफाई पर संतोषजनक व्यक्त किया। उन्होंने निर्देश दिया कि गोवंशों की समय-समय पर चिकित्सकीय जांच भी कराई जाए। यदि कोई गोवंश संक्रमित पाया जाता है तो उसको अलग कर उसका उचित उपचार कराया जाए। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक विनोद कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी कुलदीप द्विवेदी, जिला कृषि अधिकारी अखिलेश पांडे, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी जगदीश प्रसाद यादव,एलडीए रूपेश दुबे, सहित संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।



बाहर के कपड़े पहनकर सीधा बेड पर? न करें ये गलती, घर आते ही पहले बदलें कपड़े, डर्मेटोलॉजिस्ट से जानें ये क्यों जरूरी

नयी दिल्ली। दिनभर की थकान के बाद घर लौटते ही



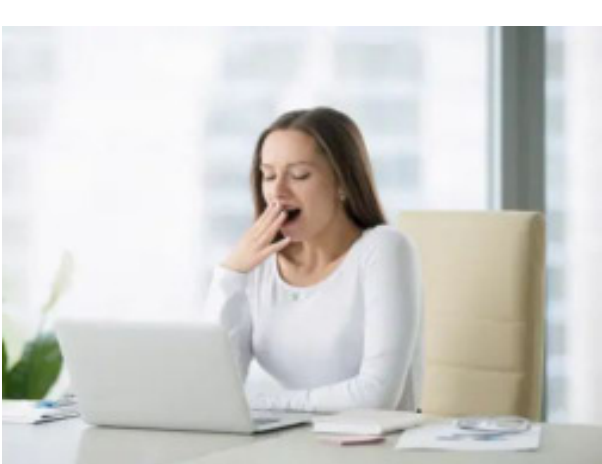
पहला ख्याल यह आता है कि बिस्तर मिले और लेट जाए। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिन कपड़ों को पहनकर आप ऑफिस, बाजार या मेट्रो से गुजरते हैं, वही कपड़े सीधे आपके बिस्तर पर पहुंच जाएं तो क्या होगा? कई लोग इसे बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते और मानते हैं कि बाहर के कपड़े



गंदगी और कीटाणु लेकर आते हैं, जो नींद और स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं कुछ लोग कहते हैं कि यह बिल्कुल सामान्य बात है। इससे कोई खतरा नहीं है। समझते हैं सवाल-क्या के माध्यम से। सवाल- क्या सच में बाहर के कपड़े इतने गंदे होते हैं? जवाब- हां, बाहर पहने गए कपड़े घर के मुकाबले ज्यादा गंदे हो सकते हैं। जब आप सड़कों, ऑफिस, बाजार या पब्लिक प्लेस से होकर गुजरते हैं तो आपके कपड़े धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं जो हमें नंगी

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती है:हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना



किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। इसे संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के माध्यम से- सवाल: जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता है और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक

आंखों से नहीं दिखते हैं। इंटरनेशनल लेवल पर हाइजीन

के कपड़े पहनकर बिस्तर पर जाने से एलर्जी या त्वचा संबंधी



समस्याएं हो सकती हैं। जिन



लोगों को धूल या परागकण से एलर्जी है, उनवें लिए यह समस्या और बढ़ सकती है। बैक्टीरिया और पसीने के कारण कपड़े स्किन पर रैशेज, खुजली या फंगल इंफेक्शन तक पैदा कर सकते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए यह और ज्यादा परेशान करने वाला होता है। हालांकि, सामान्य रूप से स्वस्थ लोगों के लिए यह खतरा बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन समय के साथ यह असहजता और स्किन प्रॉब्लम्स बढ़ा सकता है। सवाल- किन लोगों को सबसे ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए? जवाब- हर किसी को सफाई का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह और भी जरूरी है। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। सवाल- बाहर से लौटकर तुरंत कपड़े बदलना क्यों जरूरी है? जवाब-

7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

थकान, सुस्ती या बोरियत हों। लेकिन यह कुछ अंदरूनी समस्याओं से भी जुड़ी हो सकती है। ऑक्सीजन की कमी- फेफड़ों से जुड़ी बीमारी या स्लीप एप्निया जैसी स्थितियां शरीर में ऑक्सीजन के लेवल को कम कर सकती हैं, जिससे ज्यादा ऑक्सीजन लेने के लिए बार-बार जम्हाई आती है। आयरन की कमी- शरीर में आयरन की कमी होने पर खून में ऑक्सीजन का संचार ठीक से नहीं हो पाता है। इस कमी को पूरा करने के लिए शरीर ज्यादा जम्हाई लेता है। मेटाबॉलिक या लिवर प्रॉब्लम्स- लिवर फेलियर या मेटाबॉलिज्म में गड़बड़ी भी ज्यादा थकान और जम्हाई का कारण बन सकती है। हार्ट संबंधी समस्याएं- कुछ मामलों में बहुत ज्यादा जम्हाई का संबंध हार्ट डिजीज से हो सकता है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने वेंग कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल



डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती है। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एप्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंजाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के

बाहर के कपड़े बदलने से आप धूल, बैक्टीरिया और एलर्जन को अपने बिस्तर और सोफे तक पहुंचने से रोकते हैं। इससे बिस्तर ज्यादा समय तक साफ और ताजा बना रहता है।मानसिक सुकून भी मिलता है क्योंकि आपको लगता है कि आप एक साफ माहौल में आराम कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि साफ कपड़ों में सोने से नींद की गुणवत्ता बेहतर हो जाती है। सवाल- क्या कभी-कभी झपकी लेने के लिए बाहर के कपड़ों में बिस्तर पर जाना गलत है?जवाब- नहीं इससे बिस्तर जल्दी गंदा होगा और एलर्जी का खतरा बढ़ सकता है। मानसिक रूप से भी साफ कपड़ों में लेटना

अबराar-हसरंगा ने सेलिब्रेशन काँपी करके एक-दूजे को चिढ़ाया ,रिव्यू गंवाकर अपने बॉलर पर भड़के पाकिस्तानी कप्तान, बाउंसर से फखर का हेलमेट टूटा ,मोमेंट्स-

अबू धाबी। एशिया कप में मंगलवार को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सुपर-4 मैच खेला गया, जिसे पाकिस्तान ने 5 विकेट



से जीता। इस लो-स्कोरिंग मैच में पाकिस्तानी स्पिनर अबराar अहमद और श्रीलंकाई ऑलराउंडर के बीच जमकर तकरार देखने को मिली। पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा रिव्यू गंवांने के बाद अपने ही गेंदबाज पर भड़क गए। इन सब के बीच दुष्मंथा चमीरा की बाउंसर फखर जमान के हेलमेट पर लगी। इससे उनका हेलमेट टूट गया और उन्हें हेलमेट बदलना पड़ा। ऐसे ही कुछ टॉप मोमेंट्स ने अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए मुकाबले को और रोचक बना दिया। एक रिकॉर्ड-श्रीलंकाई बैटर दसुन शनाका टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा 14 बार शून्य पर आउट होने वाले बैटर बन गए हैं। उन्होंने रवांडा के केविन इराकोज (13 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा। 1. कुसल मंडिस पहली बॉल पर पवेलियन लौटे- अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का

पहली बॉल पर पवेलियन लौट गए। उन्हें शाहीन शाह अफरीदी ने तलत हुसैन के हाथों कैच कराया। कुसल ने शाहीन की फुलर लेंथ बॉल को फ्लिक करना चाहेते थे, लेकिन टाइमिंग सही नहीं होने के कारण बॉल सीधा मिडविकेट पर खड़े तलत हुसैन के पास चली गई। कुसल मंडिस अपना खाता भी नहीं खोल सके। 2. तलत हुसैन को लगातार 2 बॉल पर विकेट- श्रीलंकाई पारी का 8वां ओवर डाल रहे तलत हुसैन ने लगातार दो बॉल पर विकेट हासिल किए। उन्होंने दूसरी बॉल पर चरिथ असलंका को हारिस रऊफ के हाथों कैच कराया। असलंका 20 रन बनाकर आउट हुए। तीसरी बॉल पर दसुन शनाका को विकेटकीपर मोहम्मद हारिस के हाथों कैच कराया। शनाका अपना खाता तक नहीं खोल सके। तलत हुसैन अपना पहला ओवर डाल रहे थे। उन्होंने महज 4 रन खर्च किए। 3. अबराar ने हसरंगा को उन्हीं के

कामगारों के 5 बच्चे जर्मनी में लेंगे फुटबॉल की ट्रेनिंग,मां बोली- हमने शहडोल के बाहर कुछ नहीं देखा, बेटा विदेश जाएगा ,पीएम कर चुके तारीफ

शहडोल। मध्यप्रदेश के 'मिनी ब्राजील' कहे जाने वाले विचारपुर गांव के 5 खिलाड़ी जर्मनी में फुटबॉल की ट्रेनिंग लेंगे। 2 अक्टूबर को ये सभी भोपाल से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और वहां से जर्मनी जाएंगे। इनके साथ महिला कोच भी रहेंगी। जो खिलाड़ी सिलेक्ट हुए हैं, उनमें 3 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। दरअसल, शहडोल जिले के आदिवासी बाहुल्य गांव विचारपुर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिनी ब्राजील नाम दिया है। करीब 800 की आबादी वाले इस गांव में 60 नेशनल फुटबॉल प्लेयर्स हैं। पीएम मोदी ने सबसे पहले रेडियो प्रोग्राम मन की बात में विचारपुर का जिक्र किया था। उसके बाद अमेरिकी पॉप कास्ट होस्ट लेक्स फ्रिडमैन से बातचीत के दौरान भी यहां के खिलाड़ियों के बारे में बताया। पीएम के बार-बार विचारपुर का जिक्र करने के बाद जर्मनी के फुटबॉल कोच डायटमार बेयर्सडॉर्फ ने यहां के 5 बच्चों को प्रशिक्षण देने की इच्छा जताई थी। खिलाड़ियों के सिलेक्ट होने के बाद भास्कर की टीम विचारपुर गांव पहुंची और इन बच्चों के संघर्ष के बारे में जाना। इनके माता-पिता से भी बात की।विचारपुर गांव में न तो फुटबॉल का कोई स्टेडियम है, न ही कोई फुटबॉल सिखाने वाली एकेडमी। यहां के बच्चे गांव के बुजुर्गों को देखकर ही फुटबॉल खेलेना सीखे हैं। सीनियर कोच अनिल सिंह रेल्वे में नौकरी करते हैं। वे कहते हैं कि जब भी समय मिलता है, बच्चों को निशुल्क ट्रेनिंग देने आता हूं। इसी तरह इस गांव से निकले 10-12 कोच हैं, जो यहां बच्चों को ट्रेनिंग देने आते हैं। मैंने खुद भी पंचायत के इस ग्राउंड में प्रैक्टिस की है। मेरा 3 साल का बेटा भी यहीं खेलता है। वो चौथी पीढ़ी का खिलाड़ी है। अनिल सिंह बताते हैं कि गांव के मुरलीधर कुण्डे और उनके भाई सुरेश कुण्डे ने 80 के दशक में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। 23 साल पहले नेशनल गेम्स में खेलना शुरू किया अनिल सिंह ने कहा- उस समय इस ग्राउंड में शाम के 6 बजे के बाद कोई आना पसंद नहीं करता था। ये शराबियों का अड़ा हुआ करता था। गांव तक पहुंचने के लिए सड़के-लाइट कुछ नहीं था। कुण्डे भाइयों ने युवाओं को फुटबॉल से जोड़ा। सुरेश कुण्डे से लेकर हमारी पीढ़ी तक के खिलाड़ी स्टेट और नेशनल गेम्स के बारे में नहीं जानते थे। हम लोग स्थानीय स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करते थे। एक बार विचारपुर की टीम का मैच दूसरी तहसील में हुआ। वहां के पीटी टीचर रईस अहमद ने देखा कि टीम में सीनियर खिलाड़ियों के साथ छोटे बच्चे भी खेल रहे हैं।

सेलिब्रेशन से चिढ़ाया-13वें ओवर की पहली बॉल पर अबराar अहमद ने वानिंदू हसरंगा को क्लीन बोल्ड कर दिया। इतना ही नहीं,



पाकिस्तानी स्पिनर ने हसरंगा को उन्हें के सेलिब्रेशन से चिढ़ाया। वे अपने दोनों हाथों के कंधे के पास ले गए और मुट्ठे ठीी बांधकर हिलाते हुए सेलिब्रेट किया। जैसे कि हसरंगा अपने विकेट सेलिब्रेट करते हैं। यहां पर श्रीलंकाई टीम ने छठा विकेट गंवाया। हसरंगा 15 रन बनाकर आउट हुए। 4. रिव्यू गंवांने के बाद अबराar पर भड़के सलमान- पाकिस्तानियों ने 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर चमिका करुणारत्ने के खिलाफ एलबीडब्ल्यू की अपील की, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नकार दिया। अबराar अहमद के जोर देने के कप्तान सलमान आगा ने रिव्यू मांगा। रिफ्रे देखने से पता चला कि बॉल न तो बल्लेबाज के बैट से लगी और न ही पैड से। वीडियो में दिखा की बॉल करुणारत्ने के हाथ से लगकर उछली थी। ऐसे में पाकिस्तान को विकेट तो नहीं मिला, टीम ने एक रिव्यू जरूर गंवा दिया। ऐसे में कप्तान सलमान अबराar अहमद

बिहार में रहती है। वह बीच- बीच में प्रीतम को देखने, उससे मिलने आ जाती है। सरकारी नौकरी है इसलिए प्रीतम के पालन पोषण में दिक्कतें नहीं हैं। प्रीतम ने कहा कि जर्मनी जाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। इससे मेरा मनोबल बढ़ेगा। मैं फुटबॉल में जो भी कुछ कर पा रहा हूं, वो चाचा की बदौलत ही है। चाचा मुझे पूरा सपोर्ट करते हैं। विचारपुर मनीष का

तरफ से मुझे विचारपुर भेजा गया। यहां रईस खान सर की कोचिंग के बाद मेरा इंटरेस्ट बढ़ गया। हमारा मैच हॉस्टल वाली लड़कियों के साथ हुआ और हमारी टीम हार गई। वहीं से मुझे लगा कि हम लोग अच्छा खेलेंगे तो जीत भी सकते हैं। इसके बाद मैंने प्रैक्टिस शुरू कर दी। सानिया के परदादा सुरेश कुण्डे ने विचारपुर में फुटबॉल की शुरुआत की थी। सानिया के पिता उमेश कहते हैं- दादा के बाद पिताजी और उनके भाई भी फुटबॉल खेलने लगे। मुझे याद है कि जब मैं छोटा था, तब पिताजी और बाकी खिलाड़ी कभी खेत में तो कभी किसी खाली मैदान में प्रैक्टिस करते थे। किसी खेत में जुताई हो जाती तो फिर दूसरे खेल में फुटबॉल खेलने लगते। पीढ़ी दर पीढ़ी घर में फुटबॉल का क्रेज बढ़ता गया। हम लोग तो बेरोजगारी के चलते इस खेल में आगे नहीं बढ़ पाए लेकिन ये सपना अपने बच्चों को दे दिया। बेटी के जर्मनी जाने की खबर सुनकर मन में एक सुकून आया है कि जो हम हासिल नहीं कर पाए, वो हमारे बच्चों को हासिल हो रहा है। मैं डीजे साउंड का काम करके बच्चों को पाल-पोस रहा हूं। उन्हें खेल में आगे बढ़ाऊं रहा हूं। सानिया अपनी फुटबॉल जर्नी के बारे में बताती है- पिछले 6 साल से प्रैक्टिस कर रही हूं। जब मैं छोटी थी, तब घर के पीछे एक ग्राउंड पर कुछ बच्चा लोग फुटबॉल खेलते थे। मैं भी उन्हीं के साथ खेलने लगीं। वो मुझे छोटा समझकर भगा देते थे, लेकिन मैं उसके बाद भी हार नहीं मानती थी। कुछ सालों बाद भैया लोगों की शादी हो गई और उन्होंने खेलना बंद कर दिया। मैं प्रैक्टिस के लिए विचारपुर के ग्राउंड जाने लगीं। शुरू में पाचा ने मुझे चमके के जूते लकर दिए। मैंने उसी से प्रैक्टिस शुरू की। अभी 2 साल पहले किट मिल गई है। हमारे यहां ग्राउंड की हालत बहुत खराब है। वहां रेत है, गोबर पड़ा रहता है लेकिन हम फिर भी खेलते हैं। अभी भी विचारपुर में ऐसे बच्चे हैं, जो खाली पर फुटबॉल खेलते को मजबूर हैं। पांच बच्चे के साथ जर्मनी जाने वाली महिला कोच लक्ष्मी साहिब ने 7 नेशनल गेम्स खेले हैं। लक्ष्मी कहती हैं- मैं बड़ा सोचती थी, लेकिन इतना बड़ा कभी नहीं सोचा था कि जर्मनी जाने का मौका मिलेगा। मैं अभी एक्सपर्ट हूं। मेरे यहां के बच्चे कुछ नया सीखेंगे। मैं भी सीखूंगी। मैं गांव के पुराने खिलाड़ियों के संघर्ष को नमन करना चाहूंगी। उनकी तपस्या से ही ये सच हो पा रहा है। अभी मैं मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग की तरफ से बच्चों को फुटबॉल की ट्रेनिंग देती हूं।

